

statement is laid on the Table of the House. [Placed in Library. See No. LT-4250/79].

Acquisition of Shares in Bestobell India Limited

*636. SHRI SOMNATH CHATTERJEE: Will the Minister of INDUSTRY be pleased to state:

(a) whether any representation has been received by him from the Employees' Unions of Bestobell India Ltd., regarding acquisition of 44 per cent shares in the Company, now held by foreign nationals, by Instrumentation Limited—a Government of India Undertaking;

(b) if so, the reaction of Government thereto; and

(c) the justification for allowing a monopoly house to acquire 18 per cent of the said share holding and permitting Instrumentation Limited to acquire the remaining 26 per cent?

THE MINISTER OF INDUSTRY (SHRI GEORGE FERNADES): (a) Yes, Sir.

(b) No view has yet been taken by the Government in the matter.

(c) Does not arise in view of reply to (b) above.

Demand of Paper in Eighties

*637. SHRI GANANATH PRADHAN:

SHRI K. T. KOSALRAM:

Will the Minister of INDUSTRY be pleased to state:

(a) whether Government have made any assessment on the likely demand of paper in the country in the eighties; and

(b) whether the existing units in the country would be able to meet the demand?

THE MINISTER OF INDUSTRY (SHRI GEORGE FERNADES): (a) According to the Draft Five Year Plan (1978-83), it is estimated that the demand for paper and paper board

would be of the order of 1.425 million tonnes in 1982-83 and 1.94 million tonnes in 1987-88.

(b) The existing capacity of the Industry as on 1-4-1979, is about 1.395 million tonnes which would not be adequate to meet the projected requirements. Action has already been taken to augment the capacity by way of projects in the public sector as well as schemes licensed in the private sector.

बुरहानपुर तापी बिस्स द्वारा कपड़े का बेचा जाना

6001. श्री हुकम चव्हाण: क्या उद्योग मंत्री 16 अगस्त के तारारहित प्रश्न संख्या 437 के उत्तर के संबंध में यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) जनवरी, 1976 से दिसम्बर, 1978 की अवधि के दौरान बुरहानपुर तापी बिस्स द्वारा किन-किन पार्टियों को ब्रे कपडा बेचा गया था और बेचे गये कपड़े की मात्रा, किन्तु और मूल्य क्या है;

(ख) क्या पार्टियों को कुछ अनराशि ब्रिजिंग जमा करानी पड़ती है और यदि हाँ तो कितनी और निम्न पार्टियों पर कौन कौन सी मर्तें लगायी हैं और क्या कुछ ऐसी पार्टियाँ हैं जो नियम से इस कपड़े की भारी मात्रा खरीदती है और इसे स्वयं बेचने का प्रयास करती हैं और यदि हाँ तो क्या सरकार को इसका पता है और ऐसी पार्टियों के नाम क्या हैं;

(ग) कितनी और किन किन पार्टियों ने इस अवधि के दौरान नियम से वे प्रोसेसड कपडा खरीदा था लेकिन उन्होंने अपनी ओर से कपड़े को इस कोपी की डिबिलिटी नहीं की थी और इसके परिणामस्वरूप नियम को कितनी राशि की हानि हुई; और

(घ) क्या इन पार्टियों को छूट दी गई थी और यदि हाँ, तो प्रत्येक पार्टी को दी गई छूट की राशि क्या है?

उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री जयशंकी प्रसाद शर्मा): (क) जनवरी, 1975 से मार्च, 1978 की अवधि की जानकारी क्रमशः 19-4-78 तथा 10-5-78 के तारारहित प्रश्न संख्या 7460 तथा 9827 से संबंधित प्रश्नोत्तरों को पूरा करने हेतु संसद् पुस्तकालय में रखी जा रही है। अनुभव से ज्ञात होता है कि सामग्री इकट्ठा करने में लगने वाले परिश्रम के अनुकूल फल नहीं निकलेगा।

(ख) से (घ). सूचना इकट्ठी की जा रही है और सभा बैठक पर रख दी जाएगी।